''प्रकृति ऐसे व्यक्ति को प्रतिरोध करने को प्रेरित करती है जिसे क्षति कारित की जाती है और वह उस सीमा तक बल प्रयोग के लिए न्यायानुमत है जिससे कि क्षति करने की पुनरावृत्ति रोकी जाय।''

प्राईवेट प्रतिरक्षा में आवश्यक एवं आनुपातिक बल प्रयोग के क्षेत्र-विस्तार एवं सीमाओं को दृष्टिगत करते हुए भारतीय दण्ड विधान के प्रांसंगिक प्राविधानों की सहायता से विवेचना कीजिए और निर्णयज विधि को संदर्भित कीजिए।

5. "When several persons are in company together engaged in one common purpose lawful or unlawful and one of them, commits an offence without the knowledge or consent of others, the other will not be invoked in the guilt unless the act was in same manner in furtherance of the common intention."

Explain the concept of joint liability in the light of above statement.

''जब कई व्यक्ति एक साथ एक सामान्य प्रयोजन, वैध या अवैध में संलग्न हों और उनमें से एक अन्य की अनुमति या ज्ञान के बिना अपराध करता है, अन्य उसके लिए दोषी नहीं होगें, जब तक कि वह अपराध सामान्य आशय के अग्रसरण में न किया गया हो।''

-(सर बी० पीकॉक)

उक्त कथन के आलोक में संयुक्त दायित्व के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

L/Sem II/112

LL.M. (General) (Semester II) Examination, 2014-15

Law

(Group D : Crimes)

Paper - II : LLMD-452

Criminal Law in India

Time : Three Hours ***Full Marks : 70***

(Write your Roll No. at the top immediately on the receipt of this question paper)

Note: Attempt any **four** question. All questions carry equal marks.

किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. "Even where a statute is concerned with an issue of social concern, the presumption of mens-rea stands unless it can be shown that strict liability will be effective to promote the objects of the statute."

Elucidate the above statement.

''कोई संविधि सामाजिक सरोकार के मुद्दे से भी सम्बन्धित हो, तब भी आपराधिक मनःस्थिति की अवधारणा बनी रहती है, जब तक यह परिलक्षित न हो जाय कि संविधि के उद्देश्यों के उन्नयन के लिए कठोर दायित्व प्रभावी होगा।''

उपरोक्त अभिकथन का विशदीकरण कीजिए।

2. "The Mc Naghten's rules are based on extremely narrow conception of nature of insanity, which has been abandoned by experts in the field of Psychiatry since long."

Examine the above statement and point out the extent to which insanity may be pleaded as a ground of exemption from criminal liability in India.

''मैकनाटन का नियम चित्त-विकृति की प्रकृति की अत्यन्त संकुचित संकल्पना पर आधारित है जिसे मनोचिकित्सा-विज्ञान के क्षेत्र में अब से काफी समय पूर्व ही त्याग दिया गया है। ''

उपरोक्त कथन का परीक्षण कीजिए एवं इंगित कीजिए कि भारत में किस सीमा तक चित्त-विकृति के आधार पर आपराधिक दायित्व से मुक्ति पाने का तर्क दिया जा सकता है।

3. Actual insanity produced by drunkenness is a defence against criminal responsibility to the same extent as if it had originated from other causes."

Comment on the statement and discuss the law relating to intoxication as a defence to criminal liability in India.

''मत्तता से उत्पन्न वास्तविक चित्त विकृति आपराधिक उत्तरदायित्व के विरूद्ध उसी सीमा तक बचाव है जिस सीमा तक वह अन्य कारणों से उत्पन्न होने पर होती है।''

इस कथन की टीका कीजिए और भारत में आपराधिक दायित्व से बचाव के रूप में मत्तता संबंधी विधि की विवेचना कीजिए।

4. "Nature prompts a man who is struck to resist and he is justified in using such a degree of force as well prevent a repetition.

Discuss while focusing the scope and limits of using necessary proportionate force in private defense with the help of relevant provisions of IPC and refer to decided case law.

(b) Abetment

दुष्प्रेरण

(c) Mistake as a defence

भूल बचाव के रूप में

6. The offence of culpable homicide may be distinguished from murder only on the basis of guilty mind of the accused." Elucidate the statement.

'' मात्त अपराधी के आपराधिक मनः स्थिति के आधार पर ही आपराधिक मानव-वध को हत्या से विभेदित किया जा सकता है।'' इस कथन का विशदीकरण कीजिए।

7. Critically analyses the law relating to obscenity in India. How do you feel that there dire need to review this law in present scenario ? Explain.

भारत में अश्लीलता संबंधी विधि का समालोचनात्मक विवेचन कीजिए। आप कहाँ तक अनुभव करते हैं कि वर्तमान परिदृश्य में इस विधि के पुनरावलोकन की अत्यधिक आवश्यकता है ? व्याख्या कीजिए।

8. Write critical note on any **two** of the following :

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए।

(a) Adultry

जारता